SN – 116

III Semester B.B.M./B.H.M. Examination, November/December 2013
(Semester Scheme) (F+R) (2010-11 and Onwards)
HINDI LANGUAGE – III
Hindi Ekanki, Sarkari Patra Aur Sankshepan

Time : 3 Hours Max. Marks : 90/100

Instructions : 1) ***VI*** *Question is* ***compulsory*** *for 2012-13 batch.*
2) ***100*** *marks for* ***Fresh*** *students of 2012-13 batch onwards.*
3) ***90*** *marks for* ***Repeater*** *students prior 2012-13.*

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर **एक** शब्द या वाक्य में लिखिए : **(10×1=10)**

1) सोमदत्त की पत्नी का नाम क्या है ?
2) कुशल किसके बुलाने पर घर छोडकर चला गया ?
3) पूनम की बुआ कौन है ?
4) निरूपमा खिन्न होकर किसे चिट्ठी लिखती है ?
5) कैलाशनाथ दिल्ली में किस सचिवालय में नौकरी कर रहा था ?
6) डाक्टर के अनुसार किसके भूत काल्पनिक होते है ?
7) 'ममता का विष' एकांकी में माँ के कितने बेटे हैं ?
8) टीके के वक्त पिताजी ने मदन के ससुर से कौन-सी बात कहनी चाही ?
9) सरोज किस कालेज की छात्रा है ?
10) 'चक्रव्यूह' के एकांकीकार कौन है ?

II. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **(3×8=24)**

1) माँ की ममता पर उस निर्दयी चोर को दया नहीं आई।
2) तुमसे कोई नहीं जीत सकता। आखिर तुम ये बातें कहाँ से सीखते हो ?
3) दिया तो सबकुछ, पर वह हमारे किस मतलब का।
4) पहले कसम खाओ, कि किसी को भी इस रहस्य के बारे में भनक न लगने दोगी ?
5) (प्यार से) कामचोर नहीं, तू तो दिल का चोर है।

P.T.O.

III. किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **(2×15=30)**

1) 'चक्रव्यूह' एकांकी में निहित गबन-घोटालों पर आलोचना कीजिए।

2) 'लहर लौट गई' एकांकी में स्वार्थपरता की अभिव्यक्ति किस प्रकार हुई है ? स्पष्ट कीजिए।

3) 'नैराश्य' एकांकी में चित्रित प्रगतिशील विचार धारा का विश्लेषण कीजिए।

IV. सचिव, मानव संसाधन और विकास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली की ओर से सचिव, शिक्षा सचिवालय कर्नाटक सरकार, बेंगलूरू को सामान्य सरकारी पत्र लिखिए जिसमें 2013-2014 वर्ष का सर्वशिक्षा अभियान का अनुमानित व्यय का विवरण मांगा गया हो। **16**

अथवा

सचिव, रेल्वे, मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से एक अधिसूचना तैयार कीजिए, जिसमें बेंगलूरू मॉनो रेल परियोजना के अवर अधीक्षक के पद पर श्री मनप्रीत को नियुक्त किया गया हो।

V. निम्नलिखित का उचित शीर्षक देते हुए एक तिहाई शब्दों में संक्षिप्तीकरण कीजिए : **10**

शिक्षा मनुष्य को मस्तिष्क और शरीर का उचित प्रयोग करना सिखाती है। वह शिक्षा जो मनुष्य को पाठ्य पुस्तकों के ज्ञान के अतिरिक्त कुछ गंभीर चिंतन न दे, व्यर्थ है। यदि हमारी शिक्षा सुसंस्कृत, सभ्य, सच्चरित एवं अच्छे नागरिक नहीं बना सकती तो उससे क्या लाभ ? सहृदय सच्चा परंतु अनपढ़ मज़दूर उस स्नातक से कहीं अच्छा है, जो निर्दय और चरित्रहीन है। संसार के सभी वैभव व सुख-साधन भी मनुष्य को तब तक सुखी नहीं बनाते, जब तक मनुष्य को अत्मिक ज्ञान न हो। हमारे कुछ अधिकार व उत्तरदायित्व भी है। शिक्षित व्यक्ति को उत्तरदायित्वों का भी उतना ही ध्यान रखना चाहिए जितना कि अधिकारों का।

Note : Compulsory question for **2012-13** and **Onwards batch**.

सूचना : 2012–13 अगे के विद्यार्थियों के लिए **अनिवार्य** प्रश्न.

VI. किसी **एक** का चरित्र-चित्रण कीजिए : **10**

1) सोमदत्त।

2) सुकेशी।